हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार, 26 मई 2025

तापमान
अधिकतम 38 .3 डिग्री
न्यूनतम 18 .0 डिग्री

11 अपने लिए तो हर कोई जीता, असली आनंद तो तब है...

12 प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात के विचार प्रेरणादायी...

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में शनिवार रात अचानक मौसम बदला, पहले तेज हवा चली फिर वर्षा शुरू हो गई

आंधी-तूफान ने मचाई तबाही, मकान गिरा, पेड़ व खंभे टूटे बालसमंद ब्रांच नहर टूटने से सैकड़ों एकड़ में फैला पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में शनिवार रात आए आंधी-तूफान ने खूब उत्पात मचाया। आंधी-तूफान के कारण पेड़ गिरने से बालसमंद ब्रांच टूट गई, जिससे सैंकड़ों एकड़ में पानी भर गया। नहर को देर रात तक पाटा गया। विभागीय अधिकारी मौके पर रहकर निरीक्षण करते हुए। इस नहर से ही शहर में पेयजल सप्लाई होता है।शनिवार रात को आए तेज तूफान व बरसात की वजह से रायपुर गांव के पास शहर की तरफ बालसमंद ब्रांच नहर टूट गई।

यह नहर रात को दो बजे के आसपास टूटी। सुबह लोगों ने नहर टूटी देखी तो गणमान्य व्यक्तियों व विभागीय अधिकारियों को इसकी सूचना दी। सूचना पर मेयर प्रवीण पोपली भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण करते हुए सिंचाई विभाग के अधिकारियों से बातचीत की। जेसीबी की मदद से नहर में गिरे पेड़ों को हटाना शुरू किया गया। आसपास के गांवों के लोगों ने भी अधिकारियों व कर्मचारियों की मदद की। विभागीय अधिकारियों के अनुसार शनिवार रात को आए आंधी-तूफान की वजह से पेड़ गिरने के कारण नहर का लगभग 50 फुट चौड़ा किनारा टूटा है, जिसको भरने का काम देर रात तक जारी रहा है और नहर को कुशलतापूर्वक बांध दिया गया। जिस क्षेत्र के पास नहर टूटी है यहां से सेक्टर 1-4 करीब सात किमी ही दूर है।

शहरी क्षेत्र जलमग्न

शनिवार रात को आए आंधी तूफान व तेज बरसात से शहर के निचले क्षेत्र जलमग्न हो गए। सुबह तक अनेक क्षेत्रों में पानी भरा रहा। प्रशासनिक व विभिन्न विभागों के अधिकारी जहां बाढ़ बचाव के प्रबंधों में लगे हैं, वहीं इस बरसात ने प्रबंधों को एक बार फिर धत्ता बता दिया। शहर के अनेक क्षेत्रों में दोपहर तक पानी भरा रहा। रात को पहले तेज हवा चली तो उसके वर्षा शुरू हो गई। हवाएं तेज होने के कारण वर्षा का पानी लोगों के घर से लेकर दुकान के अंदर तक चला गया। शहर के दिल्ली रोड, ऑटो मार्केट, राजगढ़ रोड, शांति नगर, मिलगेट, डोगरान मोहल्ला, सेक्टर 15, 16-17, 13, पीएलए, कैमरी रोड, पटेल नगर, जवाहर नगर, डिफेंस कालोनी, औद्योगिक क्षेत्र आदि जगह में जलभराव हो गया। इन क्षेत्रों से पानी निकालने के लिए विभाग के कर्मचारी जुट गए।

नारनौंद क्षेत्र में गिरे पेड़

दर्जनों गांव की बिजली बाधित

नारनौंद। शनिवार रात को अआंधी और तूफान के साथ तेज बारिश भी शुरू हो गई जिसके कारण क्षेत्र में काफी नुकसान हुआ है। सैकड़ों हरे पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से पूरी रात ब्लैक आउट रहा। गांव राजथल में एक युवक के मकान में दरार आ गई। पूरा परिवार डर के मारे रात भर घर से बाहर रहने पर मजबूर हुआ। रात को काफी देर तक तेज आंधी चलती रही और के कारण सड़कों और खेतों में खड़े काफी हरे पेड़ गिर गए जींद हांसी सड़क मार्ग पर भी सफेदे के काफी पेड़ गिरने से वहां पर जाम लग गया। तूफान के बाद बारिश भी आ गई जिसमें राहगीर वहां पर फंस गए। कुछ समय के लिए मोबाइल का नेटवर्क भी टूट गया जिसके कारण लोगों का एक दूसरे से संपर्क भी टूट गया था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की सहायता से पेड़ों को हटाया। उसके बाद ही जाम में फंसे राहगीर अपनी मंजिल की तरफ रवाना हुए। तेज तूफान के कारण बिजली के खंभे और तारे भी टूटकर नीचे गिर गए। अगर देखा जाए तो नारनौंद क्षेत्र में गांव व खेतों में करीब 200 बिजली के पोल टूट कर नीचे गिर गए। रात के समय ही बिजली गुल हो गई और पूरी रात ब्लैक आउट रहा। बिजली कर्मचारी पूरा दिन मेहनत करते रहे। तेज बारिश के कारण गांव राजथल में भगवानदास के घर में दरार आ गई पूरा परिवार सहम गया और डर के मेरी घर से बाहर निकलने पर मजबूर होना पड़ा।

बरवाला: बड़े गोदाम का शेड उड़ा कई घरों की छतों पर जाकर गिरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरवाला

शनिवार रात बरवाला क्षेत्र में आए आंधी-तूफान और बारिश ने ढाणी प्रेम नगर में नुकसान पहुंचाया है। इस प्राकृतिक आपदा के चलते एक गोदाम का शेड उखड़ गया, बिजली के पोल टूटकर सड़कों पर गिर गए, और कई घरों को भी क्षति पहुंची। इस घटना में जान-माल का बड़ा नुकसान होने से बाल-बाल बचा।

ढाणी प्रेम नगर में एक बड़े गोदाम पर लगाया गया शेड तेज हवाओं और तूफान के दबाव को सहन नहीं कर सका और पूरी तरह उखड़ गया। उखड़ा हुआ शेड हवा के साथ उड़कर आसपास के कई घरों की छतों पर जा गिरा, जिससे घरों की छतें और दीवारें क्षतिग्रस्त हो गईं। शेड का मलबा सड़कों पर भी बिखर गया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। ग्रामीण सुनील, संदीप अनिल आदि ने बताया कि अगर उस समय कोई व्यक्ति या पशु शेड की चपेट में आ जाता, तो बड़ा हादसा हो सकता था। यह गनीमत रही कि जान-माल का बड़ा नुकसान टल गया। इसके अलावा, तूफान की तीव्रता इतनी थी कि गांव में लगे कई बिजली के पोल जड़ से उखड़ गए और बिजली की तारें सड़कों पर बिखर गईं। इससे पूरे गांव की बिजली आपूर्ति ठप्प हो गई। कई घरों में लगाए गए छोटे-छोटे शेड और टीन की छतें भी हवा में उड़ गईं, जिससे उनकी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा। ग्रामीणों ने प्रशासन और बिजली निगम से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने कहा कि उखड़े हुए बिजली के पोल और तारों को जल्द से जल्द दुरुस्त किया जाए, ताकि बिजली आपूर्ति बहाल हो सके। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उचित उपाय करने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि गोदाम के शेड को मजबूती से बनाया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों। ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रशासन इस घटना को गंभीरता से ले और भविष्य में ऐसी आपदाओं से निपटने के लिए ठोस कदम उठाए।

हिसार। बालसमंद ब्रांच नहर का टूटा किनारा।

उकलाना। बुढाखेड़ा गांव में गिरा गरीब परिवार का मकान।

रेल लाइनों की तारें टूटने से रेल सेवाएं अस्त-व्यस्त

रात्रि आए आंधी तूफान से रेलवे की बिजली की तारें टूटने से रेल सेवाएं पूरी तरह अस्त वयस्त हो गईं। इससे रेलगाड़ियां 2 से 5 घंटे तक लेट हो गईं। रेवाड़ी से भटिंडा जाने वाली रेलगाड़ी जो हिसार से 12:35 पर चलकर आदमपुर 1:10 पर पहुंचकर आगे के लिए प्रस्थान करती है, वह रेलगाड़ी आदमपुर एक बजे की बजाय 6 बजे आदमपुर पहुंची। इसी तरह फाजिल्का से रेवाड़ी जाने वाली रेलगाड़ी आदमपुर में तीन घंटे तक खड़ी रही। इसके अलावा सिरसा से कोटा जाने वाली रेलगाड़ी डिंग रेलवे स्टेशन पर तकरीबन डेढ़ घंटे खड़ी रही। रेवाड़ी से गंगानगर को जाने वाली रेलगाड़ी हिसार रेलवे स्टेशन पर लगभग दो घंटे खड़ी रही। इसके अलावा सुबह लुधियाना से सिरसा जाने वाली रेलगाड़ी एक घंटे तक जाखोद खेड़ा में खड़ी रही। उसे बिजली के इंजन की बजाय डीजल इंजन द्वारा सिरसा पहुंचाया गया। रेलवे विभाग के कर्मचारी दिनभर रेल सेवा को सुचारू रूप से चलने के लिए जुटे रहे।

आदमपुर। रेल सेवाएं बाधित होने के कारण रेलवे स्टेशन पर खड़ी रेलगाड़ी।

इस माह का चौथा तूफान

हिसार जिले में मई माह में यह चौथा तूफान आया है। इससे पहले 21 मई, 13 मई और 11 मई को तूफान आ चुका हैं। तीन बार आए आंधी-तूफान के कारण जिले में 747 बिजली के खंभे और 66 ट्रांसफॉर्मर गिर गए थे। इससे निगम को काफी ज्यादा नुकसान उठाना पड़ता था।

80 किलोमीटर की रफ्तार से चली हवाएं

मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार शनिवार रात करीब साढ़े नौ बजे के बाद मौसम में अचानक बदलाव हुआ था और 80 किलोमीटर रफ्तार से तेज हवाएं चली। हवा के साथ करीब एक घंटे तक तेज बारिश से शहर जलमग्न हो गया था। आदमपुर, हांसी-जींद मार्ग, अग्रोहा, बरवाला, हांसी हिसार आदि जगह पर पेड़ गिरने से रास्ते बंद हो गए। अग्रोहा में तेज हवाएं से खिड़कियां के कांच टूट गए। जिले में बिजली के सैकड़ों खंभे टूटने पर बिजली गुल हो गई। देर रात हवा और वर्षा रुकने के बाद बिजली कर्मचारी सप्लाई शुरू करने में लगे रहे।

उकलाना मंडी: बारिश में गिरा मकान, घर में रखा सामान नष्ट, परिजन घायल

उकलाना मंडी। आई तेज अंधड़ व बारिश से बुढ़ाखेड़ा गांव में दलीप सिंह का पूरा मकान गिर गया और उसमें रखा सामान बह गया। दलीप सिंह ने बताया कि जैसे रात को बारिश आई और पानी पूरे घर में मंडी की ओर से उनके घर में घुस गया और दूसरी तरफ से जब पानी पास होने लगे तो उन्हें एहसास हो गया कि मकान पूरा ही बह जाएगा। उनकी बेटी को उन्होंने निकाला। सामान कुछ निकालना चाहा तो इससे पहले मकान गिर गया। उनके सिर पर कोई चीज लगी जिससे 7 से 8 टांके लगे हैं। बेटे राहुल को टांग पर चोट लगी वहीं पत्नी जो गिरने के बाद में गुम चोट लगी है। ऐसे में परिवार भी घायल हुआ है। दलीप सिंह का परिवार घड़े बनाने का व्यवसाय करते हैं। इस बारिश के पानी में नीचे की मिट्टी निकल गई और काफी संख्या में घड़े भी टूट गए। दिलीप सिंह ने बताया कि उनके घर में फ्रिज, कूलर, टीवी, अलमारी सहित संपूर्ण घरेलू उपकरण जो पूरी तरह नष्ट हो गए वहीं घर में रखी हुई गेहूं भी नष्ट हो गई। पीड़ित परिवार व स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है उनकी आर्थिक सहायता की जाए। नहीं तो मात्र पेड़ के नीचे रहने को वह परिवार मजबूर हो जाएगा।

पावर हाउस में भरा पानी, बिजली व्यवस्था प्रभावित

हिसार। बालसमंद ब्रांच नहर ढाणी रायपुर के पास टूटने के कारण 220केवी आईए पावर हाउस में पानी भर गया। इसके चलते सुरक्षा की दृष्टि से पावर हाउस को बंद किया गया है। पावर हाउस बंद होने के कारण शहर के पावर हाउस भी प्रभावित हुए, जिसमें 132 केवी बीड़, 132केवी आर्यनगर, 33 केवी आजाद नगर, आटो मार्केट, सेक्टर-14, राजगढ़ रोड आदि के क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। बिजली निगम ने दूसरे माध्यमों से बिजली सप्लाई देने का प्रयास किया। बिजली अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों गांव मिर्जापुर, धांसू, रायपुर, रायपुर ढाणी, शिकारपुर, नियाना, ढाणी कुतबपुर, लालपुरा, खरड़ अलीपुर व खोखा की बिजली सप्लाई बंद या बाधित रही।

खबर संक्षेप

हकृवि में पुरस्कार वितरण समारोह कल

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में 22वां वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह 27 मई को प्रातः 11 बजे आयोजित किया जाएगा। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने बताया कि कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाले इस समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज मुख्य अतिथि होंगे। इस समारोह में शैक्षणिक सत्र 2021-22, 2022-23 तथा 2023-24 के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक के अलावा अन्य गतिविधियों जैसे एनसीसी, एनएसएस, खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

हांसी में एक किलो गांजा के साथ एक काबू

हांसी। नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों पर कार्रवाई करते हुए एएनसी पुलिस ने एक किलो 86 ग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान बवानी खेड़ा निवासी सुमित के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार एएनसी स्टाफ हांसी पुलिस को गश्त पड़ताल के दौरान गांव सिसाय कालीरावण में एक व्यक्ति को हिरासत लिया। तलाशी में आरोपी के कब्जे से 1 किलो 86 ग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना सदर हांसी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर आरोपी को अदालत ने न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

टेलीग्राम पर पार्ट टाइम जॉब वर्क कर पैसे कमाने का झांसा देकर प्राइवेट कंपनी कर्मी से तीन लाख ठगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

- 19 मार्च को टेलीग्राम ग्रुप से पार्ट टाइम वर्क के लिए मैसेज आया था

साइबर ठग लोगों को पार्ट टाइम जॉब वर्क का ऑफर और उसके बाद शुरुआत में थोड़ा लालच देकर ठगी का शिकार बना रहे हैं। ऐसा ही मामला प्राइवेट कंपनी में नौकरी करने वाले रामायण निवासी दीपक कुमार को साइबर ठगों ने तीन लाख की चपत लगा दी। साइबर थाना पुलिस ने दीपक की शिकायत पर मामला दर्ज जांच शुरू कर दी है। दीपक ने बताया कि 19 मार्च को टेलीग्राम ग्रुप से पार्ट टाइम वर्क के लिए मैसेज आया उसके बाद व्हाट्सएप पर जिया शर्मा नामक युवती का मैसेज आता है जिसमें वह मुझे अपनी कंपनी का नाम Rent.com बताती है जिसमें आनलाईन टास्क वर्क करना था। उसके बाद उसने पहले टेलीग्राम पर अकाउंट बनाया और टास्क वर्क दिया। बदले में मुझे 800 दिए गए। अगले दिन मुझे टेलीग्राम ग्रुप में एड कर दिया। उसमें 65 मैंबर थे। जो ग्रुप में इंवेस्टमेंट और उससे कमाए गए रुपयों के स्क्रीन शाट शेयर कर रहे थे और मुझे पैसे कमाने का लालच दिया। इसके बाद मैंने भी 10 हजार इंवेस्ट किए तो 15 हजार वापस कर दिया। 7 अप्रैल को कम्पनी की एनिवर्सरी के नाम पर बोनस देने का प्रोम्पट जारी किया जिसमें एक लाख जमा करने को कहा गया। मैनें उनके खाते में जमा करवा दिए। मैने टास्क वर्क कम्पलीट करना चाहा वहां पर मुझे 2 लाख 38 हजार माइनस में दिखे। मुझे वह रुपए जमा करने के लिए कहा गया कि आप इसके बाद निकासी ले सकते हो। मैंने पहले जमा कराए एक लाख वापस पाने के लिए दो खातों में एक-एक लाख जमा कर दिए। उसके बाद उनकी वेबसाईट रैंट.कॉम पर मेरे अकाउंट में 4 लाख 68 हजार 528 माइनस दिखाई दिया। उन्होने मुझे उसे चार्टर लीज 7एक्स प्रोफिट का हवाला देकर 4 लाख 68 हजार 528 जमा करने लिए कहा मैने मना कर दिया। उसके बाद अहसास हुआ कि मेरे साथ 3 लाख का फ्राड हुआ है।

- बचाने आई बहनों पर भी किया नुकीले हथियार से हमला, तीनों मां बेटी अस्पताल में भर्ती

जमीन के लिए रिश्तों का खून, प्लॉट विवाद में बेटे और बहू ने मां को पीटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

75 गज के प्लॉट के लिए लंबे समय से विवाद चल रहा

हांसी शहर में जमीन के लिए रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक मामला प्रकाश में आया है। यहां प्लाट के लिए बेटे व बहू ने अपनी मां की पिटाई कर डाली। जब उसकी बहन अपनी मां को बचाने आई तो पति-पत्नी ने उन पर भी नुकीले हथियार से हमला कर दिया। मामला जगदीश कॉलोनी का है, जहां प्लॉट के विवाद को लेकर इकलौते बेटे ने अपनी पत्नी संग मिलकर 80 वर्षीय बुजुर्ग मां के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। मारपीट के दौरान जब उसकी बहने अपनी मां को बचाने आई तो उन पर भी हमला कर दिया। बेटे और बहू द्वारा की गई पिटाई से घायल बुजुर्ग महिला और उसकी दोनों बेटियों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

हांसी। नागरिक अस्पताल में उपचार के लिए पहुंची घायल फूलां देवी व उसके परिजन।

बताया जा रहा है कि पारिवारिक संपत्ति के एक 75 गज के प्लॉट के लिए घर में लंबे समय से विवाद चल रहा था, जो रविवार सुबह हिंसक रूप ले बैठा। नागरिक अस्पताल में उपचाराधीन बुजुर्ग महिला फुलां देवी ने बताया कि बेटा और बहू उसे प्लॉट अपने नाम करवाने के लिए पिछले कई वर्षों से तंग करते हैं। रविवार सुबह भी प्लाट नाम करवाने को लेकर शुरू हुए विवाद के बाद बेटे बहू ने उसके साथ मारपीट कर घायल कर दिया। नागरिक अस्पताल में उपचाराधीन घायल सुनीता ने बताया कि उसके पिता की मौत छह साल पहले हो गई थी। हम दोनों बहने शादीशुदा हैं। अब उनकी बुजुर्ग मां को उनका भाई और भाभी प्लॉट के लिए तंग करते हैं और प्लाट को लेकर अक्सर मां के साथ मारपीट करते हैं। जब दोनों बहने मौके पर पहुंची और उन्हें बचाने की कोशिश की, तो उन पर भी नुकीले हथियार से वार कर घायल कर दिया गया। उसकी मां फुलां देवी की कमर और बाजू में चोट आई है। फुलां देवी की बेटी शारदा और सुनीता के अनुसार उनके भाई और भाभी ने पहले बुजुर्ग मां को धक्का-मुक्की की और फिर उस पर हमला कर घायल कर दिया।

बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर उत्साह के साथ अभियान में जुटे

'हमारा प्यार हिसार' की टीम ने छाजू राम कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन की दीवार निखारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

मई का अंतिम रविवार, और 'हमारा प्यार हिसार' टीम एक बार फिर एक नए अभियान के लिए तैयार है। इस बार, छाजू राम कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन के अनुरोध पर, कॉलेज की मुख्य दीवार को सुंदर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

शनिवार रात की बारिश ने मौसम को सुहाना बना दिया। टीम के सदस्य धीरे-धीरे साइट पर पहुंचने लगे। कुछ ही पलों में काम की शुरुआत हो गई और और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई पूरे उत्साह के साथ काम में जुट गया। टीम ने कॉलेज की दीवार और सामने के चौक को पेंट करने का कार्य आरंभ किया और चंद घंटों में ही इन्हें नया रूप दे दिया। पेंटिंग अभियान में कॉलेज के छात्रों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस सामूहिक प्रयास से न केवल कॉलेज की दीवारें निखर गईं, बल्कि समुदाय में सौंदर्य और सफाई के प्रति नई भावना भी जागी।

हिसार। पेंटिंग अभियान में लगे संस्था के पदाधिकारी व नन्हे बच्चे।

अभियान में यह जुटे

अभियान में सुशील खरींटा, डॉ. सुरेंद्र गर्ग, डॉ. राज सोनी, राजेंद्र गहलोत, अदेश मलिक, मूलचंद खत्री, मंजू पूनिया, डॉ. उर्मिला मलिक, पवन कुमार, मंजूला खत्री, मनीष गोयल, गहना, गगन मेहता, विक्रम मित्तल, मधु गोयल, जितेंद्र बंसल, दिनेश बंसल, अश्विनी, परवीन अग्रवाल, युद्धवीर पानू, विक्की रौतेला, गगन गुप्ता, भारत सिंगल, ईशा, एकता, पूर्वी, आशिका, मुकुल, हार्दिक, समीर, अक्षय, जय, अमन, इप्सिता, रिमछा, कैफी, सैफी, मेघा, रिया, यशस्वी व ओजस्वी शामिल हुए।

फोरेंसिक टीम ने की जांच

हांसी में बस स्टैंड के सामने मिला युवक का शव, नहीं हुई पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

- पुलिस बोली-नशे की ओवरडोज का हो सकता है मामला

सामान्य बस स्टैंड के सामने रविवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वहां पर काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। सूचना मिलने पर बस स्टैंड चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया गया। फोरेंसिक टीम द्वारा साक्ष्य एकत्रित किए जाने के उपरांत पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल के पहुंचाया। मृतक की उम्र लगभग 30 वर्ष है, लेकिन अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मृतक युवक के प्रयास में जुटी है। बस स्टैंड चौकी इंचार्ज नरेश कुमार ने बताया कि सुबह सूचना मिली थी बस स्टैंड के बाहर एक युवक बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ है मौके पर पहुंच कर देखा तो युवक की मौत हो चुकी थी। इसके बाद फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया ताकि युवक की मौत के कारणों का पता लगाया जा सके। फोरेंसिक टीम की जांच के उपरांत युवक के शव को पहचान के लिए नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में युवक के शरीर पर कोई स्पष्ट चोट के निशान नहीं मिले हैं, लेकिन असली कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। लेकिन प्रथम दृष्टया युवक की मौत नशे की ओवरडोज के कारण हुई लग रही है। वैसे मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही हो पाएगा। युवक की पहचान के लिए आसपास के थानों में सूचना भेजी गई है।

जो प्रेम असहिष्णु हो, जो दूसरों के मनोभावों का तनिक भी विचार न करे, जो मिथ्या कलंक आरोपण करने में संकोच न करे, वह उन्माद है, प्रेम नहीं।

- मुंशी प्रेमचन्द

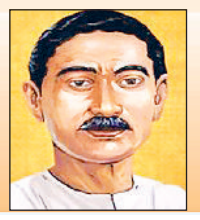

भले ही उसके पास रात को रुकने का कोई ठिकाना न था परन्तु वह खुश था। खाली समय में वह खेतों की ओर निकल जाता। जहाँ किसान उसे कुछ काम दे देते और बदले में खाना भी खिला देते। ऐसे ही एक किसान पॉल विच से उसकी घनिष्ठता बढ़ने लगी। एक दिन पॉल विच ने कहा कि कपिल मेरे पास दो कमरे हैं। यदि कभी आवश्यकता हो तो तुम रुकने आ सकते हो।

कहानी

आशा खत्री 'लता'

जीवनदान

विदेशी धरती पर समुद्र के किनारे बसे इस सुन्दर नगर की दूर तक फैली बीच पर यूँ ही घूमते हुए उसे कई दिन बीत चुके थे। मगर उसे अभी तक एक भी ऐसा चेहरा नहीं मिला था जिस पर उसे अपने लिए कुछ अपनत्व भाव दिखाई दे। अधिसंख्य गोरे और कुछेक मुस्लिमों की भीड़ में उसे कोई भारतीय नहीं दिखाई दिया। गोरी चमड़ी वाली औरतें मात्र अंतःवस्त्रों में ही काला चश्मा लगाये इधर-उधर पसरी पड़ी या किसी मर्द की बाँहों में बाँहें डालकर घूमती दिखाई देती। सर्दियों की दोपहर को यहाँ धूप सेंकना सूर्य स्नान कहलाता है। छोटे-मोटे कार्य के अतिरिक्त उसे कुछ करने को अभी तक नहीं मिला। वह, वह पाना चाहता है जिसके लिए वह अपना देश, अपना घर और अपना परिवार छोड़कर यहाँ आया है। और यह पाने को उसका भाग्य कब चमकता है उसे उसी की प्रतीक्षा भी है और खोज भी।

उसे यहाँ आये आज एक सप्ताह हो गया समझ नहीं पा रहा कि क्या किया जाये जिससे उसके गुजारे के साथ-साथ कुछ रुपये बचाकर वह घर भी भेज सके। तभी उसे एक दढ़ियल प्रौढ़ ने पुकारा - "हे जैन्टलमैन, माला लेंगे।" कहते हुए मालाओं से लदा हाथ उसने उसके आगे कर दिया। जेब के पैसे खत्म हो जाने का डर उन सुन्दर रंग-बिरंगी मालाओं के आकर्षण से बहुत बड़ा था तो दूसरी ओर मालाओं का आकर्षण भी कम नहीं था। उसे ऊहापोह में छोड़ दढ़ियल ने पास से गुजरती एक महिला की तरफ बढ़ते हुए कहा-"हे मैम, देखिये कितनी सुन्दर माला! आपके गले में सजकर तो ये और भी सुन्दर लगेगी।" वह आगे बढ़ती-बढ़ती ठिठक गयी। रंगीन पारदर्शी पत्थरों की उन मालाओं के साथ-साथ मालावाले की मधुर स्वरलहरी और नारी सौन्दर्य की प्रशंसा करती वाणी ने उसके कदम रोक लिये थे।

"ये कितने की है?" उस महिला ने कई मालाओं में से एक को छूते हुए कहा।

"केवल दो सौ रुपये की परन्तु आपकी खूबसूरत गर्दन के लिये एक सौ पचहत्तर की मैम।"

"नहीं-नहीं एक सौ पचास में देनी है तो दीजिए।"

दढ़ियल ने तत्काल माला निकालकर उसे पकड़ा दी और महिला पैसे निकालकर उसे थमा चुकी थी। दढ़ियल उसे एक तरफ छोड़ घूमते हुए माला बेच रहा था। कपिल को लगा कि यह काम तो बड़ा आकर्षक है। इसमें सामान के साथ-साथ मधुर स्वर और सौन्दर्य के नये-नये उपमानों के लिये काफी स्थान है। रात भर वह इस विषय पर सोचता रहा। अगले दिन बीच पर घूमते हुए वह माला वाले को ढूंढ़ता रहा। दोपहरी ढलने लगी थी कि उसे वह दिखाई दे ही गया। जहाँ चाह वहाँ राह की उक्ति को दोहराता हुआ कपिल लम्बे डग भरता हुआ उसके पास पहुँच गया।

"माला दिखाओ" वह मुस्कुराते हुए बोला।

दढ़ियल ने भी मुस्कुराते हुए हाथ आगे बढ़ा दिया। एक सुन्दर सी माला उठाते हुए उसने मूल्य पूछा।

"तीन सौ रुपये" दढ़ियल ने कहा।

"दो सौ में दे सकते हो तो दे दो" कपिल ने कहा।

"नहीं" कहते हुए वह आगे बढ़ने लगा।

"रुको, लो, तीन सौ रुपये और माला दो।"

दढ़ियल ने प्रसन्नता से रुपये थामते हुए माला उसे पकड़ा दी।

"बहुत ही सुन्दर है।" कहते हुए कपिल बात को आगे बढ़ाने की गर्ज से मुस्कुराया।

"वो तो है"

"कहाँ से खरीदते हो"

"सुपर मार्किट से" कहते हुए दढ़ियल आगे बढ़ने को हुआ तो कपिल ने उसे रोकते हुए कुछ और भी बातें की।

अगले दिन ही सुपर मार्किट से कुछ मालाएं खरीदकर वह भी बीच पर घूमने लगा। उसकी मुस्कुराती आँखें, मीठी वाणी और जादुई शब्दों का प्रभाव कि कुछ महिलाओं ने तुरन्त मुँह मांगे दाम पर मालाएं ले ली। जेब गर्म होते ही वह कुछ फल खरीदकर खाने लगा। पास में ही खेल रहे एक बच्चे को मुस्कुराते हुए उसने बड़े लाड़ से एक सेब प्रस्तुत किया। जिसे बालक बिना किसी ना नुकर के लेकर उसके पास बैठ खाने लगा। वह खुश था। आज का दिन कितना अच्छा है उसके लिए, उसका काम भी शुरू हो गया और इस बच्चे के रूप में उसे एक साथी मिल गया। भले ही बीच पर कुछ पल के लिए ही सही। बालक कुछ ही देर में उससे घुल-मिल गया उसने अपना नाम ईवान बताया।

अब कपिल का धन्धा चल निकला और ईवान के साथ दोस्ती भी। वह हर रोज की कमाई प्रातः स्थानीय बैंक में जाकर जमा करवा देता और सप्ताहांत में उसे पिता के खाते में भेज देता।

भले ही उसके पास रात को रुकने का कोई ठिकाना न था परन्तु वह खुश था। खाली समय में वह खेतों की ओर निकल जाता। जहाँ किसान उसे कभी-कभार कुछ काम दे देते और बदले में उसे वोदका के साथ खाना भी खिला देते। ऐसे ही एक किसान पॉल विच से उसकी घनिष्ठता बढ़ने लगी। एक दिन पॉल विच ने कहा कि कपिल मेरे पास दो कमरे हैं। यदि कभी आवश्यकता हो तो तुम रुकने आ सकते हो।

"मैं तो आज ही आ जाता हूँ।" कपिल ने कहा। अन्धा क्या चाहे दो आँखें, मन की इच्छा पूरी हो रही थी। अब उसने पॉल विच के कमरे में रात का ठिकाना जमा लिया। दिन भर समुद्र किनारे सैलानियों को मालाएं व पत्थर बेचने और प्रातः सांय पॉल विच के खेतों में काम करते उसे लगता जैसे वह अपने गाँव के खेतों में, अपने गाँव की मिट्टी से मिल रहा है। अपने गाँव से हजारों किलोमीटर दूर कई समन्दर पार इस शीत प्रदेश में जीवन बहुत कठिन तो था परन्तु कठोर नहीं लग रहा था। पॉल विच जो आयु के लगभग पचहत्तर वर्ष पार कर चुका था, एक संरक्षक के रूप में उसके सिर पर था। वह अपनी जवानी में एक पहलवान था, फिर प्रदेश सरकार में मन्त्री बना और अब किसान बनकर अपना वार्धक्य बिता रहा था। खेत में काम करने के बाद नित्य वोदका का सेवन करते हुए पत्नी के हाथ का स्वादिष्ट खाना उसके साथ-साथ कपिल को भी मिलने लगा था। पॉल विच की पत्नी एक सुघड़ गृहिणी के साथ एक वात्सल्यमयी स्त्री थी।

परन्तु जिन्दगी इतनी भी सरल कहाँ होती है जितनी आजकल कपिल को लग रही थी। हुआ यूँ कि पॉल विच की एक रिश्तेदार अपने दो बच्चों के साथ उसके पड़ोस में रहने आ गयी। वह स्वभाव से ही एक झगड़ालू और कर्कश स्वर वाली स्त्री थी। पॉल विच और कपिल की मित्रता उसे चुभती थी। कपिल उसे कतई घास नहीं डालता था। वह प्रयास भी करती तो कन्नी काट जाता।

ऐसी ही एक प्रातः जब कपिल पॉल विच के खेत में कार्य में जुटा था, तब वह आई और उस पर डोरे डालने का प्रयास करने लगी-

"प्यारे कपिल, तुम कितना काम करते हो।"

"प्रिय ओल्गा, क्या करूँ, मैं यहाँ काम ही तो करने आया हूँ।"

"क्या हम मित्र बन सकते हैं प्रिय कपिल।"

"ऐसा कैसे सम्भव है झगड़ालू ओल्गा।" कपिल मुस्कुराया।

"मैं तुमसे तो नहीं ही झगडूंगी प्रिय कपिल"

"लेकिन मैं तो तुम जैसी कर्कशा से बात करना भी पसन्द नहीं करता। मुझे तो कोई मधुर स्वर वाली सुकुमारी ही आकर्षित कर सकती है झगड़ालू ओल्गा। अब तुम जाओ, नहीं तो तुम्हारी यह बेशर्मी मैं पॉल विच को बता दूँगा।"

कुछ दिन ही बीते थे कि अवसर पाकर फिर ओल्गा कपिल का हाथ थाम प्रणय निवेदन करने लगी। कपिल ने हाथ छुड़ाने का प्रयास किया तो वह उसका गाल चूमने को बढ़ी। उसके इस प्रयास को कपिल ने उसे धक्का देकर गिराते हुए विफल कर दिया। कर्कश ओल्गा इस अपमान से और भी खूंखार हो उठी।

कपिल के मुँह से अपने लिए ऐसी उपेक्षापूर्ण बातें सुनकर वह पैर पटकती हुई चली गयी। कपिल ने तो पॉल विच को कुछ नहीं बताया पर जैसा कि उसे अन्देशा था कि ओल्गा ने पॉल विच को अपने हिसाब से कपिल के दुर्व्यवहार की शिकायत की। पॉल विच ने दुनिया देखी थी और कपिल के सद्व्यवहार को वह जानता था। ओल्गा के चरित्र की भी भनक उसे थी। अतः उसने कपिल से इस विषय में कुछ विशेष नहीं कहा।

कुछ दिन ही बीते थे कि अवसर पाकर फिर ओल्गा कपिल का हाथ थाम प्रणय निवेदन करने लगी। कपिल ने हाथ छुड़ाने का प्रयास किया तो वह उसका गाल चूमने को बढ़ी। उसके इस प्रयास को कपिल ने उसे धक्का देकर गिराते हुए विफल कर दिया। कर्कश ओल्गा इस अपमान से और भी खूंखार हो उठी। उसने अपने पति, जो दूसरे शहर का माफिया डॉन था को, कपिल पर दुराचार के प्रयास का आरोप लगाते हुए रो-रोकर शिकायत की। उसके पति जिसके लिए मारपीट, हत्या जैसे जुर्म सामान्य बात थी, ने कुपित होकर कपिल की सुपारी स्थानीय माफिया डॉन दुश्र्चेव को दे दी।

दुश्र्चेव ने उसी दिन अपने एक गुण्डे को कपिल को शाम तक अपने पास उपस्थित करने का आदेश दिया। उस गुण्डे ने माला बेचते हुए कपिल को धर पकड़ा और शाम को अपने बॉस दुश्र्चेव के सामने उसके अड्डे पर उपस्थित होने का हुक्म चेतावनी भरे भयभीत कर देने वाले लहजे में दिया। कपिल भले ही कई महीने यहाँ रहते हुए पॉल विच की छत्रछाया में स्वयं को सुरक्षित अनुभव करने लगा था। वह हर शाम बीच पर व्यवसाय करने के लिए एक निश्चित राशि स्थानीय माफिया के कारिन्दे को भी देता था। परन्तु मारपीट, हत्या आदि से वह अभिज्ञ था। अतः सांय को जब वह बताये गये ठिकाने पर पहुँचा तो उसने ईवान को भी वहीं खेलते हुए पाया। उसे देखते ही ईवान चिल्ला पड़ा-

"भइया कपिल! भइया कपिल" और दौड़कर उससे लिपट गया। फिर उसका हाथ खींचते हुए अपने पापा के पास ले गया-

"पापा देखा कपिल भइया जिनके बारे में मैं आपको बताता हूँ। आज ये मुझसे मिलने आये हैं। मैं इनके लिए भी माँ से खाना बनवाता हूँ। आज ये यहीं खाना खायेंगे"

"हाँ, हाँ जाओ ईवान अपनी माँ से कपिल के लिए भी खाना बनाने के लिए कहो। उन्हें बताओ तुम्हारे कपिल भइया आये हैं।"

ईवान के अन्दर जाते ही दुश्र्चेव ने कपिल को सम्बोधित करते हुए कहा-

"तो तुम पॉल विच के यहाँ रहते हो?"

"जी" कपिल ने थूक सटकते हुए कहा।

"मैं कल उनसे मिलूँगा और उन्हीं से बात करूँगा। अब तुम जा सकते हो, ईवान को मैं समझा दूँगा।"

दुश्र्चेव की ठहरी हुई कड़क आवाज और भावहीन चेहरे ने तो कपिल के शरीर में सिहरन दौड़ा दी। परन्तु ईवान उसके लिए देवदूत बनकर आया था। जान बची और लाखों पाये। दुश्र्चेव के कहते ही वह तेज कदमों से खिसक लिया। इस विदेशी धरती पर उसका कौन था जो उसके लिए कुछ करता। वह लगभग दौड़ते हुए अपने ठिकाने पर पहुँचा। अगले चौबीस घण्टे उसके लिए बहुत ही चिन्ताजनक थे, जब तक कि दुश्र्चेव पॉल विच से मिलकर सारा मामला क्या था, न बता ले।

अगली शाम जब खेत पर दो घण्टे कठोर श्रम के उपरान्त कपिल वापस आया तो दुश्र्चेव पॉलविच से मिलकर जा चुका था। पॉल विच ने मुस्कराते हुए कपिल का स्वागत किया और वोदका का गिलास पेश करते हुए कहने लगा-

"दुश्र्चेव आया था। उसे ओल्गा के पति ने तुम्हारी सुपारी दी थी। पर तुम किस्मत के धनी निकले कि ईवान तुम्हें बड़ा भाई मानता है और यही बात तुम्हारे पक्ष में गयी। खैर, ओल्गा को उसके पति ने वापस बुला लिया है। तुम मेरे कमरे में यथावत रह सकते हो।" कपिल कुर्सी पर जड़ हुआ बैठा था। आज वोदका भी उसकी ठिठुरन को दूर न कर सकी। वह समझ नहीं पा रहा था कि यह कंपकंपी डर की है या ठण्ड की। अपनी सुपारी और दो माफिया से उसकी दुश्मनी का यह प्रसंग उसे भीतर तक सिहरा गया। लेकिन दूसरी ओर ईश्वर में उसकी आस्था और प्रगाढ़ हो गयी। एक नन्हें बालक को प्रेम से खिलाये कुछ फल, उसके साथ बिताये कुछ पल उसे जीवनदान दे गये थे।

पुष्पलता आर्य

वर्जना में सर्जना

वर्जना में सर्जना की लीक पकड़े चल रहे हैं
नींद की अवमानना कर स्वप्न सच्चे पल रहे हैं

चीर कर पत्थर युगों के बह रहे उन्मुक्त धारे
कब समय के निर्झरों को बाँध पाए हैं किनारे
बाँध कितने बंधनों के हाथ अपने मल रहे हैं
वर्जना में सर्जना....

कंटकों के दंश कुसुमों ने सहे हैं मुस्करा कर
रात काटी है सितारों ने अंधेरी जगमगा कर
विषधरों के पाश में लिपटे हुए संदल रहे हैं
वर्जना में सर्जना की ..

रुख हवाओं का बदलने की मिली जिनको कुशलता
किंकिरी बनकर उन्हीं के चल पड़ी पीछे सफलता
धार के विपरीत जो बहते रहे अव्वल रहे हैं
वर्जना में सर्जना की ..

श्वास सूली पर चढ़े थे और छलना मुस्कराई
लाख सच ने कष्ट झेले कौनसी पीड़ा न पाई
जो खिले दलदल के तल पर वे कमल का दल रहे हैं
वर्जना में सर्जना की...

मेघ बरसें या न बरसें चातकों ने हठ न त्यागा
प्यास थी पर भूमि से दो बूंद पानी भी न माँगा
या हुई पूरी प्रतिज्ञा अन्यथा निर्जल रहे हैं
वर्जना में सर्जना की ....

कृष्ण लाल 'गिरधर

मिशन सिंदूर

जग जाहिर है जंग हमारी देखो हमारे जांबाज।
पैर पकड़ ले पाकिस्तान, खैर नहीं है तेरी आज।

पुलवामा ,पहलगाम में पाप किया है पाकिस्तान।
चुन चुन कर अब बदले लेता, देखो हमारा हिंदुस्तान।

भिखमंगा भिखारी मांग रहा दूजो से हथियार।
जितने भी दागे तूने, सबके सब कर दिये बेकार।

पूरा विश्व अब देख रहा ,तेरे बंकर अड्डों को।
अब आतंकी ढेर हो रहे, देखो उनके खड्डों को।

शांत प्रिया सेना हमारी,कभी ना युद्ध चाहती है।
तेरे जैसे बेशर्म देश को, सबक जरूर सिखाती है।

अब ना चूकेंगे अब ना रुकेंगे, पूरा हिसाब चुकाएंगे।
मेरे भारत वीर सेनानी आगे बढ़ते जाएंगे।

जिन बहनों का सिंदूर मिटा है, उनको न्याय दिलाएंगे।
चला 'मिशन सिंदूर' है अब जड़ से ही मिटाएंगे।
जय हिन्द, जय हिन्द की सेना।

साहित्यकार कृष्ण कुमार निर्माण का मानना है कि आधुनिक युग में भी निश्चित रूप से साहित्य की स्थिति सर्वोच्च बनी है, मगर सोशल मीडिया के दौर को थोड़ा चुनौती भी कहा जा सकता है। ऐसा भी नहीं है कि साहित्य के पाठकों में कमी आई है, बल्कि मुद्रित पुस्तकों के मुकाबले ऑनलाइन पाठ पठन कुछ ज्यादा हो गया है। असल में साहित्य वही है जो कालजयी हो और आम जनमानस की पीड़ा को प्रभावी तरीके से व्यक्त करता हो।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

सामाजिक उत्थान का माध्यम है साहित्य सृजन: कृष्ण कुमार

साहित्य जगत में लेखन केवल साहित्य संवर्धन ही नहीं है, बल्कि सामाजिक उत्थान में भी साहित्य की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसा साहित्य सृजन करते आ रहे मूर्धन्य विद्वानों का भी मत है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना असंभव है। समाज को नई दिशा देने के मकसद से ही साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं में लेखन करने में जुटे हैं।

ऐसे ही लेखकों में साहित्यकार कृष्ण कुमार निर्माण भी सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों को उजागर करके आलेख, कविताओं और सामयिक विषयों पर अपने रचना संसार को दिशा देने में जुटे हुए हैं। साहित्यकार एवं लेखक कृष्ण कुमार निर्माण का जन्म 15 जून 1975 को हरियाणा के सोनीपत जिले में गोहाना तहसील के गांव बरोदा में भूप सिंह निनानिया और रतनी देहड़ान के घर में हुआ। उनके परिवार में कोई साहित्यिक माहौल तो नहीं रहा, लेकिन पिता अक्सर उन्हें सांग दिखाने ले जाया करते थे, शायद इसी से प्रभावित होकर उनमें भी साहित्यिक व संस्कृति के प्रति रुझान बढ़ने लगा। स्कूल में शिक्षकों ने भी उनकी प्रतिभा को निखारने में सहयोग दिया। वह स्कूल में भाषण प्रतियोगिता, काव्य पाठ और अभिनय करते थे और इन सभी विधाओं में उसने पहला स्थान हासिल किया। उन्हें राज्य स्तर पर श्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ कमंटेटर का खिताब भी हासिल हुआ है। बकौल कृष्ण कुमार, बचपन से ही सांग देखकर और अपने ताऊ जी को सुन-सुनकर साहित्य सृजन के लिए उनके लेखन की शुरुआत हुई। सबसे पहले तो हरियाणवी में रागनी लिखना शुरू किया। जब वह आठवीं कक्षा में थे तो उन्होंने अपनी पहली रचना लिखी, जिसे कई आध्यात्मिक कार्यक्रमों में भी गाया और उन्होंने उसे स्वयं भी सुना। इसी बीच निरंकारी मिशन द्वारा एक गीत संग्रह 'हर का भजन करया कर' प्रकाशित हुआ, जो कि पहली बार सार्वजनिक भी हुआ और फिर अखबारों में प्रकाशित हुआ। अखबारों में उनकी रचनाएं छपने के क्रम से उनका आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक भी था। जिसमें हिसार में उन्हें राज्य कवि उदयभानु हंस के साथ भी मंच पर कविता पढ़ने का अवसर मिला और यहीं से हिंदी में भी साहित्य लिखने का क्रम आगे बढ़ा। उन्होंने बताया कि उनके लेखन के क्रम ने गति पकड़ी और विभिन्न कवि सम्मेलनों में काव्य पाठ भी करते रहे। वहीं उनके कई साझा संग्रह भी आए, लेकिन एक मित्र ने कहा कि आप इतने दिनों से लिख रहे हो, अपना खुद का संग्रह लिखकर भी छपवाओ। इसके बाद उन्होंने हरियाणवी लघु कविताओं का संग्रह लिखा। जहां तक साहित्यिक सफर में परेशानियों का सवाल है उसके लेखन में कई बार आई, लेकिन ऐसी समस्याएं जल्द हल हो गई। एक ऐसा दिलचस्प किस्सा भी उस समय सामने आया, जब रेवाड़ी में वह अपना कविता पाठ करके मंच से नीचे उतर रहे थे तो युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी ने उनकी लिखी रचना को लिखित में मुझे मांगा, जिससे उनका उत्साह बढ़ना भी स्वाभाविक था। आज वह कविता, ग़ज़ल, लघुकथा, व्यंग्य, समसामयिक विषयों पर लेख लिख रहे हैं और कुंडली, लघुकविता, लघुकथा भी उनके साहित्यक साधना की विधाओं में शुमार हैं। उनके उनके साहित्य लेखन का फोकस जनपक्ष की व्यथा, जातिगत भेदभाव, किसानों की दुर्दशा और नारी अधिकार जैसे सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों पर ज्यादा रहा है।

उनके आलेख, कविताएं और रचनाएं देश की विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में भी अनवरत प्रकाशित होती रही हैं। वहीं हिसार दूरदर्शन से उनके काव्य की अनेक बार प्रस्तुतियां प्रसारित हो चुकी हैं। साहित्य और संस्कृति से दूर होती युवा पीढ़ी को लेकर इनका मानना है कि लेखकों द्वारा साहित्य तो ज्यादा लिखा जा रहा है, लेकिन उसमें गिरावट नजर आने लगी है और यह बहुत ही तकलीफदेह है कि आज साहित्य भी दो खांचों में बांटा जा रहा है।

इसके लिए खासतौर से युवाओं को साहित्य से जोड़ने के लिए स्कूल और कॉलेजों स्तर पर सहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यशालाओं को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। युवाओं को साहित्य के प्रति प्रेरित करने के लिए उनके स्तर और बदलते युग के साहित्य लेखन की जरूरत है।

प्रकाशित पुस्तकें

साहित्यकार कृष्ण कुमार की प्रकाशित पुस्तकों में हरियाणवी लघुकविता संग्रह 'बखत बखत के बोल', हिंदी आलेख संग्रह 'प्रसंगवश', काव्य संग्रह 'कविता के बहाने व शब्द बोलते हैं', हरियाणवी लघुकविता संग्रह 'घणा बदलग्गा यार जमाना', व्यंग्य संग्रह 'हल्के-फुल्के व्यंग्य', हरियाणवी कुंडली संग्रह 'मन के जालै', आलेख संग्रह 'संयोगवश' शामिल हैं। उनके साझा संग्रह में हरयाणवी गीत संग्रह 'हर का भजन करया कर', 'कविप्रिया', लघुकविता संग्रह 'हरियाणवी जिंदाबाद' आदि प्रमुख हैं।

कृष्ण कुमार निर्माण

पुरस्कार व सम्मान

हिंदी और हरियाणवी साहित्य में कविता, गजल, लघुकथा, व्यंग्य जैसी विधाओं में योगदान के लिए साहित्यकार कृष्ण कुमार निर्माण को अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। उन्हें 'हिंदी श्री' सम्मान, श्रेष्ठ साहित्यकार सम्मान, हरियाणवी साहित्य गौरव अवार्ड, श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान, साहित्य सभा कैथल व नेपाल की संस्था द्वारा पुरस्कारों से नवाजा गया है। वहीं कवि सम्मेलनों के मंचों पर भी उन्हें अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : कृष्ण कुमार निर्माण
जन्मतिथि : 15 जून 1975
जन्म स्थान : गांव व पोस्ट बरोदा, गोहाना, जिला सोनीपत,(हरियाणा)
शिक्षा : एमए (हिंदी), बीएड,एलएलबी, पत्रकारिता में डिप्लोमा
संप्रति : स्वतंत्र लेखन, कवि एवं शिक्षा विभाग हरियाणा में अधिकारी

क्रूर समय का दर्द बताता 'हस्ताक्षर तुम्हारे हैं'

कविता-संग्रह : हस्ताक्षर तुम्हारे हैं
लेखक : डॉ. कमलेश मलिक
मूल्य : 225 रुपये
प्रकाशक : न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन

पुस्तक समीक्षा

ब्रह्म दत्त शर्मा

वरिष्ठ लेखिका और पूर्व कॉलेज प्रिंसीपल कमलेश मलिक मूलतः कथाकार हैं लेकिन कवि के रूप में भी वे कम विख्यात नहीं हैं। यह कविता-संग्रह इसका जीता जागता प्रमाण है। पुस्तक में संकलित कविताओं में वर्तमान समय के लगभग सभी जरूरी मुद्दों या समस्याओं को बड़े पुरजोर तरीके से उठाया गया है। आमतौर पर कविता या कहानी की किसी एक ही किताब में इतने ज्यादा विविध विषय कम ही देखने को मिलते हैं। दूसरा, इन कविताओं की भाषा सहज व सरल है और कवयित्री ने कहीं पर भी अपनी बौद्धिकता का प्रदर्शन करने का अनावश्यक प्रयत्न नहीं किया है। तीसरा ये सभी कविताएं आम आदमी के जीवन से भी जुड़ी हुई हैं। इस संग्रह के शुरुआत में कई बेहतरीन ग़ज़लें हैं। एक बानगी के तौर पर देखिए---

लोग रहते हैं जहां बस सिर्फ रहने के लिए
बेशक मकां कह दो उसे घर तो हो नहीं सकता।
कहां तक जाएगी नफरत जगेगी एक दिन उल्फत
आखिर इंसां इंसां है पत्थर तो हो नहीं सकता।

ग़ज़ल के बाद उनकी कविताओं की बात करें तो वहां अलग-अलग कविताओं में अलग-अलग विषयों पर कलम चलाई गई है। "सखी के नाम" कविता में बिछड़ी सहेली को याद करती हैं-

मैत्री के रंग भला फीके कहां पड़े हैं
मैं देखती रही तुम्हें रंगीन तितलियों में।

बहुत सी कविताएं समसामयिक मुद्दों को लेकर भी हैं। उन्होंने किसान आंदोलन, महिला खिलाड़ियों का आंदोलन, महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ आंदोलन इत्यादि मुद्दों को भी खूब उठाया है।

वे इसी पर कहती हैं, एक महिला खिलाड़ी देश का झंडा फहराती है खेल के मैदान में फिर वही आंसू बहाती है न्याय के विधान में। संग्रह की शीर्षक कविता में उन्होंने मठाधीशों की क्या खूब खबर ली हैः हम कोल्हू के बैलों से बंधी आंखें चले मीलों मगर हमको मिला भूसा, कि गुड शक्कर तुम्हारे हैं। जीवन की नश्वरता भी उनकी लेखनी से छूटी नहीं है, कुछ मीठे खट्टे फलों का एहसास भर है यह जिंदगी तो चार दिन मधुमास भर है, इस मंच का परदा गिराने तलक ही तो कठपुतलियों के नाच का आभास भर है। अंत में इतना कहा जा सकता है कि कमलेश मलिक की कविताएं इस क्रूर समय को कागज पर उतारने में और पाठकों को सोचने पर विवश करने में सफल रही हैं। लेखिका कमलेश मलिक को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

खबर संक्षेप

दिव्य सुदर्शन क्रिया का अभ्यास किया

हिसार। आर्ट ऑफ़ लिविंग हिसार शाखा की ओर से साप्ताहिक फॉलोअप का आयोजन भारत माता मंदिर एवं हैप्पीनेस सेंटर में किया गया। इस फॉलोअप का संचालन आर्ट ऑफ लिविंग के नवनियुक्त डिस्ट्रिक्ट टीचर कोऑर्डिनेटर सुरेश जैन एवं स्टेट टीचर कोऑर्डिनेटर महावीर अग्रवाल ने किया। साधकों ने योग, प्राणायाम, ध्यान एंव गुरुदेव के पावन वाणी में सुदर्शन क्रिया का अभ्यास किया। स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर नीरज गुप्ता ने बताया कि आर्ट ऑफ लिविंग संस्था की हिसार शाखा में सुरेश जैन को डिस्ट्रिक्ट टीचर कोऑर्डिनेटर के रूप में नियुक्त किया गया है।

किराएदार व नौकरों की वेरिफिकेशन करवाएं

हांसी। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सुरक्षा की दृष्टि के साथ-साथ जिम्मेदार नागरिक होने के नाते किरायेदारों व नौकरों की वेरिफिकेशन जरूर करवाऐं। जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए किराएदार, नौकर व बाहर से आने वाले मजदूरों की वेरिफिकेशन करवाना जरूरी है। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने बताया कि घरों में रह रहे किरायेदारों, फैक्ट्री, दुकानों, होटल तथा ढाबा आदि पर काम कर रहे व्यक्तियों की पुलिस वेरीफिकेशन जरूर करवाएं।

घेराव में जिला से सैकड़ों अध्यापक लेंगे भाग

हिसार। सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की जिला कार्यकारिणी की मीटिंग जिला प्रधान प्रमोद जांगड़ा की अध्यक्षता में पीडब्ल्यूडी वर्कर्स यूनियन के नहर कालोनी स्थित कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक का संचालन जिला सचिव विनोद प्रभाकर ने किया। बैठक में राज्य ऑडिटर पवन कुमार विशेष रूप से शामिल रहे। राज्य ऑडिटर पवन कुमार ने बताया कि अध्यापको के मांग मुद्दों को लेकर अध्यापक संघ द्वारा 5 जून को शिक्षा सदन पंचकूला पर घेराव करेगा।

अंकित हत्याकांड के पांचों आरोपित रिमांड पर

नारनौंद। यहां के नए बस स्टेंड पर एक सप्ताह पूर्व 18 मई की रात को राजपुरा निवासी अंकित की हत्या मामले में पुलिस ने पांच युवकों को गांव भैणी अमीरपुर से पकड़ा है। रविवार को कोर्ट में पेश करके दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया। पुलिस ने इस मामले में होटल के मालिक शौकीन व एक अन्य युवक संजीव को जेल भेज दिया है। गांव राजपुरा के अंकित हत्याकांड के मामले में पुलिस ने शनिवार को भैणी अमीरपुर निवासी इस हत्याकांड के मुख्य आरोपित होटल का करिंदा प्रदीप उर्फ भोला, नारनौंद निवासी विक्की उर्फ विक्रम, अमित उर्फ एक्टर, बादल उर्फ गौतम, जमावड़ी निवासी सुमित को गांव भैणी अमीरपुर बस स्टेंड के पास से गिरफ्तार किया था। पांचों युवकों को हांसी की कोर्ट में पेश किया जहां से रिमांड पर लिया गया ताकि वारदात में प्रयोग सामान बरामद किया जा सके।

जीव रक्षक राधेश्याम पेमाणी व साथियों को भावभीनी श्रद्धांजलि

अपने लिए तो हर कोई जीता, असली आनंद तो तब है जब जीवन दूसरों के लिए समर्पित हो, यही भाव राधेश्याम के जीवन का रहा

मंगाली गांव के श्री गुरु जम्भेश्वर मंदिर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

जैसलमेर के राधेश्याम पेमाणी, जिन्होंने अपने जीवन को वन्यजीवों की सेवा में समर्पित कर दिया, अब हमारे बीच नहीं रहे। उनके साथ दिवंगत हुए समर्पित जीव रक्षक श्याम फौजी (बीकानेर), महेन्द्र चौधरी (जसनाथ जी का बास, नागौर), कंवराज सिंह भादरिया (रामदेवरा) और सुरेंद्र चौधरी (पोकरण) को मंगाली गांव में वन्य जीव रक्षकों व गणमान्य व्यक्तियों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि इन सभी वीरों ने तपस्वी भाव से हिरणों व मूक प्राणियों की सेवा की और शिकारियों का पीछा करते हुए अपने जीवन दांव पर लगा दिया। उनका जीवन वन्यजीव संरक्षण के लिए समर्पित था और उनकी प्रेरणा हमेशा जीवित रहेगी। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन मंगाली स्थित श्री गुरु जंभेश्वर मंदिर में किया गया, जहां बिश्नोई समाज, जीव रक्षा दल मंगाली एवं अखिल भारतीय जीव रक्षा सभा की ओर से दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

यह रहे मौजूद

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा, हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष विनोद कड़वासरा, जिला अध्यक्ष एडवोकेट चन्द्र सहारण, मंगाली सुरतिया के सरपंच बलराज, बिश्नोई सभा मंगाली के प्रधान साहब राम पूनिया, जीव रक्षा दल, मंगाली के प्रधान डॉक्टर विरेंद्र कौशिक, अनिल भांभू, बिश्नोई सभा मंगाली के कैशियर राजेन्द्र धायल व सचिव भाग सिंह, वज़ीर चंद, पूनिया, कुलदीप गोदारा, विजय मंडा, गोलू मंडा, विष्णु सीगड़, सुंदर मंडा आदि उपस्थित रहे।

हिसार। वन्य जीव रक्षकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते समाज के गणमान्य व्यक्ति। फोटो: हरिभूमि

दो मिनट का रखा मौन

वक्ताओं ने कहा कि अब समय है कि हम इन महान आत्माओं द्वारा किए जा रहे संरक्षण कार्यों, शिकार पर निगरानी, गोडावण संरक्षण, पीने के पानी की व्यवस्था आदि को उन्हीं की गति से सुचारू रखें, यही उनके लिए सच्ची व अच्छी श्रद्धांजलि होगी। सरकार से चारों आत्माओं को शहीद का दर्जा देने, उनके नाम पर पुरस्कार जारी करने और आश्रितों को सरकारी नौकरी देनी की मांग की गई। सभी ने दो मिनट का मौन रखते हुए कामना की कि ईश्वर इन दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और हम सभी को उनके दिखाए मार्ग पर चलने की शक्ति प्रदान करें।

निरंकारी भवन में जिला स्तरीय महिला समागम

आध्यात्मिक मार्ग पर चलते हुए पारिवारिक धर्म निभाती महिलाएं

महिलाओं को अपनी शक्ति पहचानने की आवश्यकता, बोलीं- महिलाएं ही होती हैं समाज की रीढ़ -समागम में हिसार, बरवाला, उकलाना, आदमपुर, हांसी व बास आदि क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। महिला समागम में प्रवचन करतीं रितु सुनेजा। फोटो: हरिभूमि

निरंकारी मिशन द्वारा सुभाष नगर स्थित निरंकारी भवन में जिला स्तरीय महिला समागम का आयोजन किया गया। समागम में हिसार, बरवाला, उकलाना, आदमपुर, हांसी व बास आदि क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मिशन की श्रद्धालु महिलाओं ने भाग लिया। इस समागम की अध्यक्षता रितु सुनेजा ने की जबकि मंच संचालन मीनू ने किया। महिला समागम में रितु सुनेजा ने रविवार को कहा कि निरंकारी मिशन का एक ही उद्देश्य है कि ब्रह्म की प्राप्ति, भ्रम की समाप्ति। मिशन की प्रमुख माता सुदीक्षा के आशीर्वाद से मिशन इस उद्देश्य की पूर्ति में लगा है। उन्होंने कहा कि ईश्वर को जानकर ही भक्ति संभव है। इसलिए निरंकारी मिशन उपनिषद वाक्य एको ब्रह्म के अनुरूप कहता है कि एक को जानो, एक को मानो और एक हो जाओ। उन्होंने कहा कि महिला समाज की रीढ़ है और यदि वह आध्यात्मिक मार्ग पर चलते हुए अपना पारिवारिक व सामाजिक धर्म निभाती है तो उससे न केवल उनकी आध्यात्मिक उन्नति होती है, बल्कि परिवार में भी सुख शांति रहती है।

माता सुदीक्षा ने अलग समागम की शुरुआत की

रितु सुनेजा ने कहा कि निरंकारी प्रमुख माता सुदीक्षा जी ने महिलाओं के अलग समागम की शुरुआत की है ताकि नारी शक्ति वास्तव में अध्यात्म मार्ग को आत्मसात करती हुई आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि जो कार्य नारी शक्ति कर सकती है वो कोई और नहीं कर सकता है। इसलिए महिलाओं को उनकी शक्ति पहचानने की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य के साथ यह समागम आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान मिशन के हिसार ब्रांच संयोजक संजय खुराना, प्रवक्ता रमेश चुघ आदि भी मौजूद रहे।

53वां श्याम महोत्सव का प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

बड़सी गेट के नजदीक स्थित श्री श्याम मंदिर में रविवार सुबह 651 अखंड ज्योत प्रज्वलित कर श्री श्याम मंदिर के 53 वें श्याम महोत्सव का शुभारंभ किया गया। अखंड ज्योत प्रज्वलित कार्यक्रम की अध्यक्षता अजय कम्बीरी और कमल कम्बीरी (गंगू हलवाई) ने की। श्री श्याम मित्र मंडल के प्रधान जगदीश मित्तल ने बताया कि श्री श्याम मंदिर ट्रस्ट व श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्याम महोत्सव बडे धूम-धाम से बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि रविवार को अखंड ज्योत प्रज्वलित करने के साथ ही 53वां श्याम महोत्सव का शुभारंभ हो गया।

हांसी। श्री श्याम मंदिर में अखंड ज्योत प्रज्वलित कर 53वे महोत्सव का शुभारंभ करते श्याम मित्र मंडल के प्रधान जगदीश राए मित्तल व अन्य। फोटो: हरिभूमि

उन्होंने बताया कि 26 मई को श्याम नाम की मेहंदी, 27 मई को सुबह भव्य कलश यात्रा व 28 मई को निशान यात्रा निकाली जाएगी। 29 मई को शहर में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा निकलेगी। यात्रा में इस्कान बहादुरगढ़, रोहतक और हिसार के भक्त हरिनाम नगर संकीर्तन करेंगे। 30 मई को श्री श्याम रथ सवारी निकलेगी।

मीनू को उकलाना भूषण सम्मान

- अग्रवाल सेवा सदन में सम्मान समारोह एवं काव्य गोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ⏭उकलाना मंडी

अग्रवाल वैश्य समाज शाखा उकलाना की ओर से अग्रवाल सेवा सदन में सम्मान समारोह एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में खो खो वर्ल्ड कप विजेता मीनू धतरवाल को उकलाना भूषण व सीबीएसई की दसवीं की परीक्षा में उकलना में प्रथम रही गुनीता मित्तल को उकलाना गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। उकलाना में रामलीला के भव्य मंचन को लेकर महत्वपूर्ण भूमिका में रहे श्री बालाजी ड्रामाटिक क्लब के संरक्षण अशोक गर्ग को उकलाना भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डीसीएम स्कूल के संचालक संजय डीसीएम एवं राष्ट्रीय कवि रामकुमार रानोलिया व अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सेना के शौर्य पर कविता पाठ किया। इसके अलावा सत्य भूषण बिंदल, राष्ट्रीय कवि रामकुमार रानोलिया, अग्रवाल वैश्य समाज की पूर्व अध्यक्ष कवित्री मंजू मित्तल, चेतना काव्य मंच के कैशियर भगवान दास चावला, समाज सेवा मंच के अध्यक्ष कवि राजकुमार गर्ग ने अपनी अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम में संजय एवं असहाय जनसेवा ट्रस्ट के संचालक पवन उकलाना को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अंकित जैन, श्रीराम बंसल, हरीश गर्ग, सुनील गर्ग, नरेंद्र गर्ग, सुंदर बंसल, महेश बंसल, नरेश गर्ग, उषा अनेजा व शिवानी उकलाना आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नेहरू हाउस बना चेस चैंपियन

- गांधी जी हाउस बना क्यूब मास्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭उकलाना मंडी

यहां के सरस्वती हाई स्कूल में इंटर हाउस प्रतियोगिता के अंतर्गत क्यूब मास्टर और चेस चैंपियन मुकाबलों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नेहरू हाउस के इंचार्ज संदीप कुमार ने किया औश्र मंच संचालन की भूमिका भी निभाई। प्रतियोगिता की शुरुआत क्यूब मास्टर मुकाबले से हुई, जिसमें चारों सदनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। नेताजी हाउस से केशव, नेहरू जी हाउस से जतिन, गांधी जी हाउस से युवराज और टैगोर हाउस से ख्याल डावर। इस प्रतियोगिता में गांधी हाउस के युवराज ने मात्र 46 सेकंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए विजयी स्थान प्राप्त किया और क्यूब मास्टर की उपाधि अपने नाम की। इसके पश्चात चेस चैंपियन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें सेमीफाइनल राउंड में नेताजी हाउस बनाम गांधी हाउस तथा नेहरू हाउस बनाम टैगोर हाउस के बीच मुकाबला हुआ। रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबलों के बाद फाइनल में नेहरू हाउस और नेताजी हाउस आमने-सामने आए। फाइनल मैच में नेहरू हाउस ने जबरदस्त रणनीति और चतुराई का प्रदर्शन करते हुए नेताजी हाउस को कड़ी टक्कर दी और प्रतियोगिता जीत ली।

कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय की प्रिंसिपल पूनम धीमान ने विजयी छात्रों क्यूब मास्टर युवराज, चेस चैंपियन शिवम एवं आशीष को सम्मानित किया। साथ ही हाउस इंचार्ज संदीप कुमार (नेहरू सदन) तथा पूनम सपरा (गांधी सदन) को भी उनकी प्रेरणादायक भूमिका के लिए बधाई दी।

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विवि ने किया प्रोत्साहित

- शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देने में ओएसजीयू का महत्वपूर्ण प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय और गरिमा फाउंडेशन के सौजन्य से विश्वविद्यालय में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस गरिमामय समारोह में इस वर्ष 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल और प्रो. चांसलर डॉ पूनम गोयल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य कि कामना की। कार्यक्रम के दौरान हिसार और आसपास के क्षेत्रों से लगभग 280 विद्यार्थियो ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि तथा विश्वविद्यालय के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह दिए गए। इसके अलावा कार्यक्रम में विद्यार्थियों का बहुमूल्य मार्गदर्शन भी किया गया कि वे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार अपने करियर की दिशा तय कर सके। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एनपी कौशिक ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह उनकी शैक्षणिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है और उन्हें भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ आगे बढ़ना है। यह समारोह डॉ रेणु शर्मा व उनकी पूरी टीम की देखरेख में हुआ। समारोह का मंच संचालन डॉ. सीमा घनघस ने किया।

हिसार। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि। फोटो: हरिभूमि

अनुभवों को साझा किया

इस समारोह में विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. राजेंद्र सिंह छिल्लर ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इसी के साथ उन्होंने बताया कि किसी भी देश के उज्जवल भविष्य और राष्ट्र के विकास के लिए विद्यार्थियों का हमेशा से ही विशेष योगदान रहा है। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे शिक्षा प्राप्त कर अच्छे और बड़े पदो पर कार्यरत हो सकते है। उन्होंने कई सफल विद्यार्थियों के उदाहरण भी दिए।

तीसरी बार कॉलेजियम हैड बने देशबंधु

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। देशबंधु कौशिक को जीत का प्रमाण पत्र सौंपते चुनाव अधिकारी।

जिला ब्राह्मण सभा के कॉलेजियम चुनाव में 72 नंबर कॉलेजियम में बड़ा उलटफेर करते हुए देशबंधु कौशिक ने पूर्व पार्षद कै. नरेंद्र शर्मा को शिकस्त देकर तीसरी बार कॉलेजियम चुनाव जीता है।

जिला ब्राह्मण सभा के सदस्य एवं भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेश कौशिक ने बताया कि जिला ब्राह्मण सभा कॉलेजियम नंबर 72 से पूर्व पार्षद रहे कै. नरेंद्र शर्मा को हराकर कर देशबंधु कौशिक ने तीसरी बार अपनी जीत को बरकरार रखा है। चुनाव अधिकारी दयानंद वत्स व उनकी टीम ने जीत का प्रमाण पत्र देशबंधु कौशिक को सौंपा। उन्होंने बताया कि जिला ब्राह्मण सभा के बीते कार्यकाल में देशबंधु कौशिक कार्यकारिणी सदस्य व निगरानी कमेटी प्रमुख भी रहे हैं। देशबंधु कौशिक ने अपनी इस जीत को समाज की जीत बताते हुए इसका श्रेय समाज के सदस्यों व अपनी टोली के सदस्यों को दिया, जिनके आशीर्वाद, सहयोग व मार्गदर्शन के चलते उन्होंने लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की है। इस अवसर पर नरेश कौशिक, कुलभूषण शर्मा, राहुल, अंकित, जितेंद्र कौशिक, मोहित, भानु शर्मा व सुभाष शर्मा आदि भी उपस्थित रहे।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की अनूठी पहल

एक पेड़ मां के नाम अभियान से हरा-भरा होगा हिसार

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

जनस्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग की ओर से एक पेड़ मां के नाम योजना के तहत पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल की है। इस अभियान की शुरुआत बरवाला स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में पौधरोपण कार्यक्रम से की गई। कार्यकारी अभियंता शशिकांत ने बताया कि यह योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य न केवल पर्यावरण को संरक्षित करना है, बल्कि समाज में मां के प्रति सम्मान और प्रेम को भी समर्पित करना है। उन्होंने कहा कि हर लगाया गया पौधा मां के नाम से समर्पित होगा, जिससे समाज में भावनात्मक जुड़ाव भी बढ़ेगा। इस दौरान जिला सलाहकार विनोद कुमार ने बताया कि पौधारोपण अभियान जून महीने के अंतिम सप्ताह में ज़ोर-शोर से चलाया जाएगा। इस अभियान को अमृत 2.0 योजना के तहत भारत सरकार के पोर्टल पर चिन्हित स्थानों के साथ अपडेट किया जाएगा। अभियान के लिए जिले की खाली पड़ी सरकारी जमीनों जैसे जलघर, डब्ल्यूटीपी और एसटीपी पर पौधरोपण किया जाएगा। बरवाला डब्ल्यूटीपी, उकलाना वाटर वर्क्स, महावीर कॉलोनी मैन वाटर वर्क्स, सकाडा डब्ल्यूटीपी, नारनौंद का एसटीपी और हांसी का डब्ल्यूटीपी को इसके लिए चुना गया है। इन स्थलों पर हिसार के आठ सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाओं ने विजिट कर अभियान में भाग लिया। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की शहरी जिला कोऑर्डिनेटर सरोज ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी इस अभियान को एक जन आंदोलन बनाएगी। इस अवसर पर बीआरसी संदीप सिंह, रमेश मलिक, ललिता कुमारी, रामरति, प्रदीप, दलीप कुमार, सुरेंद्र कुमार, मनफूल सिंह, जेई सतमीन्द्र, सूमेर, अनिल कुमार, विक्रम पुटीर व जितेंद्र उपस्थित रहे।

हिसार। एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाते विभागीय अधिकारी व कर्मचारी।

अधिक पौधे लगाना समय की आवश्यकता: एसडीई

एसडीई आशीष गर्ग ने कहा कि बढ़ते तापमान और प्रदूषण के मद्देनजर अधिक से अधिक पौधे लगाना समय की आवश्यकता है। यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरित वातावरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

खबर संक्षेप

श्री श्याम मंदिर में भक्तों की तालियों ने बांधा समां

हिसार। श्री श्याम मंदिर सेक्टर 16-17 में रविवार को ताली कीर्तन का आयोजन किया गया। इस कीर्तन में भट्टू मंडी से पाली कीर्तन मंडली, हिसार से मासिक ताली कीर्तन परिवार एवं श्री श्याम मंडल के सदस्यों ने तालियों की ताल पर भजन गायन हुए बाबा की महिमा का गुणगान किया। इस कीर्तन की विशेषता यह है कि इसमें साउंड का इस्तेमाल नहीं किया गया। ढोलक, डफली, ताली एवं नगाड़ी की रिदम एवं लय पर तेरा किसने किया सिंगार ओ सांवरे, तेरी रहमत का दरिया सरेआम चल रहा, श्याम तेरे भरोसे मेरा परिवार है, बड़ी उम्मीद लेकर के तुम्हारे द्वार आया हूं आदि भजनों पर श्रदालु श्रोताओं को मंत्र मुक्त कर झूमने पर मजबूर कर दिया। पूरा वातावरण श्याममय हो गया और श्याम के जयकारो से गूंज उठा। यह अपनी तरह का एक विशेष कीर्तन रहा।

भाजपा सांसद जांगड़ा की टिप्पणी शर्मनाक : सिहाग

हिसार। भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा द्वारा पहलगाम हमले को लेकर दिए गए विवादित बयान की कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट योगेश सिहाग ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद रामचंद्र जांगड़ा द्वारा शहीदों के बलिदान पर सवाल उठाना और महिलाओं की वीरता पर टिप्पणी करना अत्यंत शर्मनाक और असंवेदनशील है। पहलगाम में 26 लोगों की शहादत को 'जोश की कमी' कहना न सिर्फ अपमान है, बल्कि भाजपा की सोच को भी उजागर करता है। सांसद का यह बयान शहीदों की शहादत और उनके परिवारों के त्याग का अपमान है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

14 किलोग्राम 200 ग्राम गांजा सहित एक गिरफ्तार

हिसार। नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों पर कार्रवाई करते हुए स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने गांव चौधरीवास से एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को काबू करके 14 किलोग्राम 200 ग्राम गांजा बरामद किया है। एएसआई जयवीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने सूचना के आधार पर गांव चौधरीवास के पास से हाइवे पर मोटरसाइकिल सवार युवक को काबू किया। उसने अपना नाम बड़वा निवासी सुनील उर्फ देसी बताया। तलाशी लेने पर सुनील उर्फ देसी के कब्जे से एक प्लास्टिक के कट्टे में 14 किलोग्राम 200 ग्राम गांजा और मोबाइल फोन बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा, मोबाइल और मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुल के नीचे खड़े ट्रक के पास व्यक्ति का शव मिला

बरवाला। हिसार-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर ढाणी गारन मार्ग रेलवे पुल के नीचे खड़े एक ट्रक के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। शव मिलने की सूचना पर मौके पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त करवाई तो मृतक की शिनाख्त भिवानी जिले के जीतपुरा गांव निवासी ट्रक चालक रोहतास के रूप में हुई। जांच अधिकारी एएसआई सुनील कुमार ने बताया कि ट्रक चालक रोहतास शनिवार रात अपने ट्रक के साथ बरवाला की ओर जा रहा था। देर रात आंधी और तूफान के कारण उसने बचने के लिए अपना ट्रक रेलवे पुल के नीचे ट्रक रोक लिया।

सेक्टर-33 में 'मन की बात' कार्यक्रम का आयोजन

प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' को गंभीरता से लें : मेयर पोपली

हिसार। प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम में पहुंचने पर उनका स्वागत करते क्षेत्रवासी। फोटो: हरिभूमि

बूथ सचिव बलविंदर सिंह के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में मेयर प्रवीण पोपली रहे उपस्थित

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 122वें संस्करण के तहत सेक्टर 33 में मन की बात कार्यक्रम सुना गया।

बूथ सचिव बलविंदर सिंह के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में मेयर प्रवीण पोपली विशेष रूप से उपस्थित रहे। मेयर प्रवीण पोपली ने रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित जनों से अपील की कि प्रधानमंत्री द्वारा कही गई मन की बात को गंभीरता से लें। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मन की बात कार्यक्रम में हर अनछुए पहलू का जिक्र करते हैं वहीं उनकी बात प्रेरणादायी भी होती है।

बूथ अध्यक्ष धर्मवीर पानू ने बताया कि यहां पर काफी साथियों ने मन की बात सुनी। प्रधानमंत्री ने शहद, पर्यावरण व योग के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि आने वाला टाइम योग का होगा।

ये रहे उपस्थित

भाजपा जिला मीडिया प्रमुख राजेंद्र सपड़ा ने बताया मन की बात में उपरोक्त के अलावा पार्षद प्रतिनिधि टीनू जैन, बलविंदर सिंह, अरिजीत सिंह, दलबीर सिंह, जितेंद्र शर्मा, रामकुमार संगवाल, अशोक भूटानी, डॉ. नागेश महर्षि, धर्मपाल कस्वां, सुनील कड़वासरा, राकेश कुमार, धर्मसिंह खटकड़, बलबीर भुंबक, डॉ. बवेजा व अमित सहित अनेक सेक्टरवासी उपस्थित थे।

हिसार। प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम सुनते डॉ. कमल गुप्ता एवं अन्य।

प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' के विचार प्रेरणादायी : डॉ. गुप्ता

हिसार। पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम में उठाए गए विषयों को देश के लिए प्रेरणास्पद बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए इसे आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक कार्रवाई का प्रतीक बताया है। डॉ. कमल गुप्ता रविवार को शहर के घोड़ा फार्म रोड स्थित यूनिवर्सिटी विहार में पार्टी पदाधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम सुन रहे थे। कार्यक्रम का संयोजन विनोद कुमार ने अपने आवास पर किया। डॉ. गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और मेक इन इंडिया रक्षा तकनीकों की सराहना की, जो राष्ट्रीय सुरक्षा में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रधानमंत्री ने ड्रोन दीदी पहल का उल्लेख किया, जिसमें ग्रामीण महिलाएं ड्रोन तकनीक का उपयोग करके कृषि क्षेत्र में क्रांति ला रही हैं। उन्होंने इसे ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में प्रधानमंत्री ने गिर वन क्षेत्र में एशियाटिक शेरों की संख्या में वृद्धि का उल्लेख किया, जो वन्य जीव संरक्षण की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार देशवासियों को प्रेरित करते हैं और राष्ट्र निर्माण की दिशा में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री के संदेशों को आत्मसात करें और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

हांसी। 'मन की बात' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखते विधायक विनोद भयाना तथा उनके परिजन व पार्टी कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

'मन की बात' कार्यक्रम से मिलती है प्रेरणा : भयाना

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

- विधायक ने बूथ नंबर 68 पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सुना प्रधानमंत्री मोदी का कार्यक्रम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के प्रसारण को लेकर रविवार को बूथ नंबर 68 पर एक विशेष आयोजन किया गया। इसमें विधायक विनोद भयाना ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ भाग लिया। इस अवसर पर विधायक विनोद भयाना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर अग्रसर कर रहा है।

मन की बात न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि यह एक राष्ट्र को जोड़ने वाला माध्यम भी बन चुका है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जनसरोकार से जुड़े विषयों, नवाचारों, युवाओं की उपलब्धियों और भारत की सांस्कृतिक विरासत पर आधारित विचारों को ध्यानपूर्वक सुना गया। यह आयोजन कार्यकर्ताओं और जनता के लिए एक सजीव अनुभव रहा, जिसमें उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को और भी प्रभावी रूप से निभाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की बातों से उन्हें नई ऊर्जा, सकारात्मकता और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की सोच पहुंचाने का एक प्रभावी जरिया है।

कैबिनेट मंत्री ने प्रियंका को किया सम्मानित

- 'सामाजिक सरोकार पत्रकारिता नारद सम्मान 2025' से किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

देवर्षि नारद जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह में हरियाणा की चर्चित लेखिका, कवयित्री एवं स्वतंत्र पत्रकार प्रियंका सौरभ को 'सामाजिक सरोकार पत्रकारिता नारद सम्मान–2025' से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल द्वारा मानव रचना यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद के सभागार में प्रदान किया। प्रियंका सौरभ, जो हिसार के गांव आर्य नगर की बेटी और भिवानी के गांव बड़वा की बहू हैं, ने अपने लेखन के माध्यम से सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, पर्यावरण और लोकतांत्रिक मूल्यों की पक्षधरता की है। उनका लेखन जनसरोकारों की आवाज़ बन चुका है। इस आयोजन का संचालन विश्व संवाद केंद्र, हरियाणा द्वारा किया गया, जो पिछले 10 वर्षों से देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारों को सम्मानित करता आ रहा है। इस वर्ष का आयोजन 25 मई 2025 को किया गया। विश्व संवाद केंद्र, हरियाणा के सचिव राजेश कुमार ने बताया देवर्षि नारद भारतीय पत्रकारिता के आदर्श माने जाते हैं। आज के संदर्भ में ऐसे पत्रकारों को सम्मानित करना ज़रूरी है, जो निडर होकर समाज की सच्चाइयों को सामने लाते हैं।

हिसार। डॉ. प्रियंका सौरभ को सम्मानित करते मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल। फोटो: हरिभूमि

अनसुनी आवाज

सम्मान स्वीकार करते हुए प्रियंका सौरभ ने कहा कि यह सम्मान मेरी कलम का नहीं, उन आवाज़ों का है जिन्हें समाज अक्सर अनसुना कर देता है। मैं प्रयासरत हूं कि मेरी लेखनी उनके हक और हकीकत को सामने लाती रहे।

नशे के खिलाफ जागरुकता की शपथ

- पुलिस ने मंगाली में आयोजित करवाई फुटबाल प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

नशा मुक्त अभियान के तहत पुलिस ने खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए गांव मंगाली में गांव लाडवा, नलवा, मंगाली और शहर हिसार के युवाओं के मध्य फुटबॉल खेल प्रतियोगिता का आयोजन करवाया।

इसमें फाइनल मैच गांव मंगाली और शहर हिसार के युवाओं के बीच हुआ। प्रतियोगिता में गांव मंगाली के युवाओं की जीत हुई। विजेता टीम को हिसार पुलिस की तरफ से ट्रॉफी दी गई और सभी खिलाड़ी युवाओं को रिफ्रेशमेंट करवाया गया। चौकी प्रभारी एएसआई राकेश कुमार ने बताया कि फुटबॉल प्रतियोगिता के दौरान ग्रामीण युवाओं और खिलाड़ियों को नशे के खिआफ और सड़क सुरक्षा के प्रति सजग करते हुए यातायात नियमों की जानकारी दी गई। नाबालिग बच्चों को बालिग होने तक वाहन नहीं चलाने बारे बताया गया। नशे से दूर रहने तथा गांव और आसपास नशे से सम्बंधित सामान बेचने वालों की सूचना पुलिस को देने के लिए प्रोत्साहित किया। सभी युवाओं ने नशे के खिलाफ जागरूक रहने और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की शपथ ली।

हिसार। फुटबाल प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते पुलिस अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

सुशील को नागरिक पत्रकारिता सम्मान

- मानव रचना विश्वविद्यालय में राज्य स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार सुशील कुमार 'नवीन' को वर्ष 2024 के लिए नागरिक पत्रकारिता नारद सम्मान से सम्मानित किया गया है। फरीदाबाद की मानव रचना विश्वविद्यालय में आयोजित 10वें राज्य स्तरीय पत्रकार सम्मान और देवर्षि नारद जयंती समारोह में हरियाणा सरकार में कैबिनेट मिनिस्टर विपुल गोयल ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया।

समारोह का आयोजन विश्व संवाद केंद्र हरियाणा द्वारा किया गया था। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट पत्रकारिता में अग्रणी रहने वाले हिसार निवासी सुशील कुमार 'नवीन' सहित प्रदेश के 8 पत्रकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर क्षेत्र प्रचारक जतिन कुमार , वरिष्ठ पत्रकार अमीश देवगन, मानव रचना एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के निदेशक डॉ. प्रशांत भल्ला, पीपी स्टील कारपोरेशन महिन्द्रा प्रोडेकटस, आई एम टी, फरीदाबाद के चेयरमैन प्रेम पसरीजा, स्काईमैप फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर संजय गुप्ता के अतिरिक्त विधायक सतीश फागना आदि उपस्थित रहे।

हिसार। सुशील कुमार नवीन को सम्मानित करते अतिथि। फोटो: हरिभूमि

नहर में आया पानी, दूर होगा पेयजल संकट

- अधिकारी बोले, सोमवार से शुरू की जाएगी नियमित सप्लाई शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

शहरवासियों के लिए रविवार सुबह राहत की खबर लेकर आई, जब लंबे इंतजार के बाद पेटवाड़ डिस्ट्रीब्यूटरी नहर में पानी पहुंच गया। बीते कई दिनों से नहर में पानी न आने के कारण शहर में पेयजल जल आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई थी।

हालात यह हो गए थे कि जनस्वास्थ्य विभाग के पांचों जल टैंक पूरी तरह खाली हो चुके थे, जिससे शहर के अधिकांश क्षेत्रों में पानी की भारी किल्लत हो गई थी। और लोग टैंकरों व हैंडपंप के सहारे अपना काम चला रहे थे। जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, रविवार सुबह नहर में पानी आने के साथ ही टैंकों में पानी स्टोर करने काम शुरू कर दिया गया है। यदि सब कुछ सामान्य रहा, तो सोमवार से शहर में पानी की नियमित सप्लाई बहाल कर दी जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि पानी की सप्लाई को लेकर पाइपलाइन और वाल्वों की सफाई और मरम्मत का काम पहले ही पूरा कर लिया गया था, ताकि नहर में पानी आते ही शहर में पानी वितरण में कोई बाधा न हो।

हांसी। पेटवाड़ डिस्ट्रीब्यूटरी में आया पानी व जनस्वास्थ्य विभाग के जलघर में मी गाद व खाली पड़े वाटर टैंक। फोटो: हरिभूमि

टैंकरों और हैंडपंपों के भरोसे रहे लोग

जल संकट के चलते बीते 15 दिनों में शहरवासियों को अपने घरों में पानी की आपूर्ति के लिए टैंकरों और हैंडपंपों के भरोसे रहना पड़ा था। कई इलाकों में लोग सुबह-सुबह हैंडपंपों पर लंबी लाइनों में खड़े नजर आते थे। गर्मी के मौसम में पानी की कमी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया था। अब नहर में पानी पहुंचने से विभाग और आमजन दोनों ने राहत की सांस ली है। वहीं विभाग के कर्मचारियों ने लोगों से अपील की है कि वे पानी का समझदारी से उपयोग करें और इसकी बर्बादी से बचें, ताकि सभी को समान रूप से पानी मिल सके।

लक्ष्य हासिल करने में सुदर्शन क्रिया सहायक

- आर्ट ऑफ लिविंग कार्यालय में साप्ताहिक ध्यान योग शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के सेक्टर 14 स्थित कार्यालय में ध्यान योग शिविर का आयोजन किया गया। आरडब्ल्यूएस सेक्टर 33 के संस्थापक निशांत गर्ग ने बताया कि हर रविवार को लगने वाले इस शिविर के दौरान साधकों को सुदर्शन क्रिया का अभ्यास करवाया गया।

इस क्रिया को करने के बाद जो आनन्द व सुकून मिलता है, उसका अनुभव केवल इसको करने के बाद ही पता चलता है। निशांत गर्ग ने कहा कि इस क्रिया को करने के बाद जो असीम आनन्द की अनुभूति उन्हें हुई हैं, वे चाहते हैं कि सेक्टर 33 के सभी नागरिक इस योग क्रिया का आनन्द लें तथा अपने जीवन में सुख की अनुभूति प्राप्त करें। इस क्रिया का यदि युवा व बच्चे अभ्यास करते हैं तो वे निश्चित ही अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे तथा उनका जीवन में कहीं भी भटकाव नहीं होगा। वे 2010 से आर्ट ऑफ लिविंग से जुड़े हुए हैं तथा इन 15 वर्षों में जो अनुभव उन्होंने सीखे हैं वह वास्तव में जीवन बदलने वाले हैं।

हिसार। आर्ट ऑफ लिविंग के कार्यक्रम में उपस्थित क्षेत्रवासी। फोटो: हरिभूमि

एजुकेटिंग पैरेंट्स अबाउट एजुकेशन कार्यक्रम आयोजित

बच्चों के विकास के लिए कई पहलुओं पर चर्चा

- आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस मिलकपुर में किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस मिलकपुर के कांफ्रेंस हॉल में रविवार को सकारात्मक पेरेंटिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सीबीएसई रिसोर्स पर्सन, मास्टर ट्रेनर, बिड़ला स्कूल पिलानी के सीनियर इंग्लिश टीचर राजन शर्मा ने सीबीएसई द्वारा बनाए गए सभी प्रारूपों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों के सभी पेरेंट्स को आमंत्रित किया गया। द्वितीय सत्र में अध्यापकों के लिए एजुकेटिंग पैरेंट्स अबाउट एजुकेशन प्रोग्राम का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी अध्यापकों ने बच्चों के विकास के लिए अनेक पहलुओं पर चर्चा की। आए हुए ट्रेनर ने सीबीएसई के विजन का प्रसार एवं विस्तार करने में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम में एनईपी के प्रत्येक पहलू को बारीकी से स्मार्ट एक्टिविटी व फिजिकल रूप में समझाया। उन्होंने कौशल शिक्षा के महत्व के बारे में बताया कि कौशल शिक्षा युवाओं को व्यावसायिक ज्ञान देती है, जिससे उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिलते हैं और आत्मनिर्भरता बढ़ती है। इस अवसर पर चेयरपर्सन राजेन्द्र यादव ने अभिभावकों को बच्चों के प्रति पूर्ण रूप से सचेत और जागरूक रहने के लिए कहा। स्कूल अध्यक्ष आनंद यादव ने कहा कि आज की बदलती जीवनशैली और तकनीक प्रधान युग में बच्चों के साथ समय बिताना और सकारात्मक संवाद स्थापित करना अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षण सत्र में भाग लेने वाले अभिभावकों ने इसे बेहद उपयोगी और प्रभावशाली बताया।

हांसी। सकारात्मक पेरेंटिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम व एजुकेटिंग पैरेंट्स अबाउट एजुकेशन कार्यक्रम में भाग लेते स्कूल प्राचार्य नितीश मिश्र व स्कूल अध्यापक।

सकारात्मक पालन-पोषण आवश्यक : मिश्रा

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस के प्रधानाचार्य नितीश मिश्रा ने बताया कि सकारात्मक पालन-पोषण न केवल बच्चों को आत्मविश्वासी बनाता है, बल्कि परिवार में भी सौहार्द्रपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करता है।